Title: Regarding Vishwa Hindu Parishad's proposed 'Asthi Yatra' throughout the country consequent upon the incidents of violence in Godhra.

SHRI H.D. DEVE GOWDA (KANAKAPURA): Hon. Deputy-Speaker, Sir, thank you very much for having permitted me to raise this issue in the `Zero Hour'. Sir, the incidents are still continuing in Gujarat. We have not yet seen the normalcy returning there. ...(*Interruptions*)

SHRI E. AHAMED (MANJERI): Let him have his say. ...(*Interruptions*) Why are you not tolerating what he says? ...(*Interruptions*) This is unfair. ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Has he no relevance? ...(*Interruptions*) If this is going to be the attitude, no business will be allowed to be taken up here. ...(*Interruptions*) They can stop people outside Parliament, but not inside Parliament. ...(*Interruptions*) There is a limit. ...(*Interruptions*)

SHRI H.D. DEVE GOWDA : Sir, I do not want to hurt the feelings of my friends. The only thing that I want to say is that the VHP has plans to hold *Asthi Yatra* throughout the country on the incidents of Godhra. I would like to ask the Defence Minister whether it is going to help. He went there for three days to create a healthy and peaceful atmosphere. We used to see him on the television the kind of trouble that he had taken in this regard. He had to face the angry mob. If this *Asthi Yatra* of VHP takes place throughout the country, is it going to create an atmosphere of peace in the country and bring harmony between the two communities? The reputation of the country as a whole has already been sufficiently damaged. To find out as to who is at fault is a matter to be investigated by the Commission of Inquiry, which the Government has already instituted. In the meanwhile, if this *Asthi Yatra* takes place throughout the country, is it not going to further damage and create tension among the two communities? I am making this submission not for the sake of any political gain. Let the hon. Prime Minister and the Home Minister ask the VHP not to take this *Asthi Yatra* throughout the country.

It is going to create not only tension but also innocent people will suffer. We have seen enough. We have not raised so many issues. In my home State, in several cities, I have seen the damage caused. I have personally gone there and visited the places. I did not want to raise these issues.

I, therefore, appeal to the Prime Minister and the Home Minister to ask the VHP President and the Gujarat Unit of VHP not to venture into this *Yatra* which is not going to help create an healthy and a peaceful atmosphere, which is not going to maintain harmony between the two communities. That is my sincere appeal. It is going to further create problems and the country is going to be divided on the basis of religion. This the sincere appeal that I would like to make.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष जी, माननीय देवगौड़ा जी ने एक बात की ओर संकेत किया और कहा कि देश में ऐसी कोई बात न की जाए जिससे कि साम्प्रदायिक विद्वेा फैले। माननीय देवगौड़ा जी ने विश्व-हिंदू-परिाद द्वारा निकाली गयी यात्रा का जिक्र किया और उसके बारे में अपील की। मैं उनसे नम्र निवेदक करुंगा कि वे अपने दाईं ओर और पीछे बैठे लोगों से भी अपील करें जो पिछले कई दिनों से लगातार आग लगाने वाले भड़काऊ भााण देते रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : This is the kind of accusation made against us. Dr. Vijay Kumar Malhotra is in the habit of defending their action. ...(*Interruptions*) Let him ask his counterparts to listen to the hon. Prime Minister's appeal and not to give sermon to us.â€¦ (*Interruptions*) They are defying the Prime Minister every day. They are giving lectures to us....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will give the floor to you.

...(*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : उपाध्यक्ष जी, ये उल्टा इल्जाम हम पर लगा रहे हैंâ€¦(व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : उपाध्यक्ष जी, आपने बोलने का अवसर किसको दिया हैâ€¦(व्यवधान) ये क्यों उठकर खड़े हो गये हैं।â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : यह साबित हो चुका है कि दंगों के लिए कौन जिम्मेदार है और ये हम पर इल्जाम लगा रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) :अगर रोज माइनोरिटीज की हत्याएं होती रहेंगी तो हम कई इश्यूज जरूर उठाएंगे।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramdas, this is 'Zero Hour'.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष जी, क्या उन्होंने नोटिस दिया है?â€¦ (व्यवधान) वह किस चीज पर बोल रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : एक आदमी इस तरह से इल्जाम लगाए तो क्या आप उसे बोलने देंगे?â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अंधेर हो रहा हैâ€¦ (व्यवधान) आप बताएं कि पोटो किसके खिलाफ लागू होगाâ€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record except the version of Dr. Vijay Kumar Malhotra.

*(Interruptions)**

उपाध्यक्ष महोदयः रघुवंश जी, जब मैं आपको फ्लोर दूंगा, उस समय ही आप अपनी बात कह सकते हैं। अभी मैंने इनको फ्लोर दिया है। हाउस में इस तरह शोर करेंगे तो कोई अपनी बात कह नहीं सकेगा।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसी बात का अनुरोध कर रहा था कि अगर सारे देश में साम्प्रदायिक वैमनस्य को रोकने के लिए दोनों पक्ष तैयार हों तो बहुत अच्छी बात है। वहां लगातार तीन-चार दिनों से इतना वि वमन किया जा रहा है, इतना जलील प्रचार किया जा रहा है। â€¦ (व्यवधान) केवल गोधरा में जो लोग मारे गए, जिन्दा जला दिए गए, उसके बारे में कहा जा रहा है कि उनकी कोई अस्थि यात्रा न निकाली जाए क्योंकि उससे विद्वेा फैलेगा, उसकी निन्दा न की जाए क्योंकि उसकी निन्दा करेंगे तो देश में प्रतिक्रिया होगी। â€¦ (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता था कि गुजरात में लगभग शांति है। छुरेबाजी की जो घटना हो रही है, पुलिस की गोली से जो लोग मारे जा रहे हैं, वहां शांति स्थापित करने के जो प्रयास किए जा रहे हैं, उन प्रयासों में मदद करने की बजाय लगातार यह कहा जा रहा है कि इस्तीफा दो। ऐसा कह कर हाहाकार मचा रखा है। इस प्रकार का जलील प्रचार दोनों समुदायों में विद्वेा पैदा करेगा। मेरी आपसे अपील है कि आपके माध्यम से इन्हें समझाया जाए। गुजरात में लगभग शांति है। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः विजय कुमार मल्होत्रा जी, क्या मैं उनको समझाऊं?

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : मैंने देखा कि कोई कांग्रेस का मैम्बर दंगाग्रस्त क्षेत्रों में नहीं जा रहा है। वे यहां टेलीविजन में रोज आ रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

12.18 hrs.

(इस समय श्री दिन्शा पटेल तथा श्री प्रवीण राट्पाल आए और सभा पटल के निकट फर्श पर खड़े हो गए।)

12.18 ¼ hrs.

(इस समय श्री दिन्शा पटेल तथा श्री प्रवीण राट्रपाल अपने-अपने स्थानों पर वापस चले गए।)

*Not Recorded.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vaghela, I would give you the floor. Now, please go to your seat.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Dr. Malhotra, I am telling you to conclude now.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members, what is this? Please resume your seats.

...(*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि अगर वहां शांति स्थापित करना चाहते हैं तो गोधरा कांड के दोाी जो कांग्रेस के चार काउंसिलर पकड़े गए हैं जिन के आईएसआई के साथ सम्बन्ध है, उनके बारे में निन्दा प्रस्ताव पास कराया जाए। â€¦ (व्यवधान) हाउस सर्वसम्मति से इस बारे में एक रैजोल्यूशन पास करे। मैं समझता हूं कि उससे यहां ज्यादा शांति स्थापित होगी।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने आज प्रश्नकाल को स्थगित करने के लिये जब सूचना दी थी तो आपकी तरफ से यह आदेश हुआ कि मैं शून्यकाल मे इस विाय को उठाऊं। मुख्य विपक्षी पार्टी का होने के नाते बोलने का पहला मौका हमें मिलना चाहिये था लेकिन सदन की परम्परा के अनुसार हमारे वरिठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री श्री देवेगौड़ा जी ने आपका ध्यान आकर्ति किया तो हमने आपके आदेश का आदर के साथ पालन किया और उन्हें सुना।

उपाध्यक्ष महोदय, दो रोज़ के बाद इस सदन की कार्यवाही 16 दिनों तक के लिये स्थगित हो जायेगी। इसी बीच में हमारे देश में हिन्दू और मुस्लिम समाज के दो महत्वपूर्ण तिथियां आयेंगी। हमें मुहर्रम का शान्ति से पालन करना होगा और होली भी हम लोगों को खुशी से मनाना चाहिये। आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय ने न केवल सदन में बल्कि पूरे देश में भाईचारा बनाये रखने की अपील की है। जब कोई नेता सदन के अदर और सदन के बाहर कोई अपील करता है तो उसका बहुत महत्व होता है। उस अपील को हम लोगों ने नहीं ठुकराया बल्कि सहयोग के साथ निभाया है। हम लोगो ने उनके इशारे पर जितना हो सकता था, कम कटु शब्दों में गुजरात के गोधरा जगह या किसी और जगह पर हुई घटनाओं की निन्दा की है। इसका कारण यह है कि सरकार ने यह घोणा की है कि गुजरात सरकार ने एक जांच समिति बैठायी है जो इन घटनाओं को देख रही है। जबकि हम लोगों की और श्री देवेगौड़ा जी की यह मांग थी कि सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज के द्वारा इस सारे मामले की जांचे हो तो बेहतर होगा। लेकिन सरकार ने अभी तक अंतिम फैसला नहीं सुनाया। जब तक इंक्वायरी का रूप क्लीयर नहीं होगा, मैं किसी आदमी या नेता या किसी वर्ग को सदन में दुख पहुंचाने के लिये नाम नहीं लेना चाहता। हां, यह जरूर कहना चाहूंगा कि गुजरात में स्थिति सामान्य नहीं है। कुछ दिनों से हमारे सांसद अपने ज़जबात को लेकर वैल के अंदर चले गये और मैंने उन्हें बुला लिया। आप सोच सकते हैं कि हमारे सांसद श्री मधुसूदन मिस्त्री हिम्मतनगर से आये हैं। कल सुबह हमारे सामने रोने लगे कि कम से कम उन्हें सदन में कुछ कहने के लिये मौका दिला दीजिये। उनका सारा क्षेत्र जल रहा है तो सांसद होकर वह इस हाउस में क्या करे? श्री दिन्शा पटेल नदियाद से एम.पी. हैं। ये बीमार हैं और बहुत दिनों से नदियाद में रुके हुये थे। आज ही सदन में पहली बार आये हैं। मुझे 2-3 बजे फोन करते हैं â€¦ (व्यवधान) क्या हमें बोलने नहीं देंगे?

श्री किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : जब गोधरा में गाड़ी को जलाया गया तो वहां के एम.पी. ने नहीं बताया â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : उपाध्यक्ष महोदय, जब से यह झंझट शुरु हुआ है, नदियाद के एम.पी. श्री दिन्शा पटेल आज ही पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी दुखभरी कहानी प्रधानमंत्री जी को सुनाना चाहते हैं, उनके पास ले चलो। अब आप उनकी बात के बारे में सोचो कि आपकी तरफ से हो या उनकी तरफ से।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात साफ है कि गुजरात में स्थिति सामान्य नहीं है। वह चाहे किसी कारण से हो लेकिन स्थिति बिगड़ रही है। जब प्रधानमत्री जी ने देश में भाईचारा बनाये रखने के लिये संदेश दिया, क्या हम लोगों ने उसे ठुकराया? किसी बाहर की संस्था ने एक सम्मेलन करके प्रधानमंत्री जी की बात को चुनौती देकर उल्टा कुछ कहा जिसके बारे में मैंने परसों जिक्र किया था लेकिन मैं उसका नाम नहीं लूंगा। इन लोगों के पक्ष के नेता ने गाली दी और निन्दा की। क्या प्रधानमंत्री जी की अपील को ठुकराया जाना और वह भी aftermath of Gujarat उसको जस्टीफाई करना ठीक है? शायद श्री मलहोत्रा ये बातें भूल गये हैं। यह हम लोगों ने नहीं किया। क्या हमने कोई बयान दिया और प्रधानमंत्री जी की अपील को ठुकराया? हमने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। यह बयान तो बंगलौर से आया है। इन सारी बातों को देखते हुये सरकार द्वारा कोई फैसला सुनाना चाहिये कि गुजरात की अपटूडेट क्या स्थिति है। सदन के दुबारा मिलने के पहले स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण लाने के लिये होम मिनिस्टर की तरफ से क्या-क्या कदम उठाये गये हैं, अगर हम लोगों को नहीं बताया जायेगा तो हम लोग भ्रम के शिकार होंगे। कई न्यूजपेपर्स के एडिटोरियल्स सात दिनों में आ चुके हैं। अगर श्री मलहोत्रा कहें कि यह सब सत्य नहीं तो दूसरी बात है।

लेकिन जो वर्णन हो रहा है वह हम लोग नहीं कर रहे हैं, वह पत्रकारों का अपना शोध है और उसमें यह कहा गया है कि स्थिति ठीक नहीं है। एक न्यूजपेपर का मैं नाम ले सकता हूं, जो 40 साल से कांग्रेस के खिलाफ लिख रहा है। उस न्यूजपेपर की आज सुबह की हैडलाइन में जो छपा है, उसके ऊपर होम मिनिस्टर साहब का ध्यान गया या नहीं, मुझे पता नहीं है। लेकिन मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि श्री विजय कुमार मल्होत्रा कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी और अपोजीशन यह सब कर रही है। अगर यह सरकार का ऑफिशियल स्टैन्ड है तो सरकार खुद बता दे कि स्थिति को नियंत्रण से बाहर करके बिगाड़ने के लिए हमारे हाथ में बहुत शक्ति थी। लेकिन अपोजीशन स्थिति को बरबाद कर रहा है, इसलिए हम नियंत्रण में नहीं रख सकते तो हम लोग कुछ बता सकते हैं। हम सरकार का स्टैन्ड जानना चाहते हैं, ि वजय कुमार मल्होत्रा जी का स्टैन्ड हम नहीं जानना चाहते हैं। वह गवर्नमैन्ट के चीफ व्हिप हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि आज शाम हाउस उठने के पहले गृह मंत्री जी मुहर्रम और होली के पहले पूरे सदन को साथ में लेकर इस स्थिति पर काबू पाने के लिए सिर्फ गुजरात में ही नहीं, गुजरात के बाहर भी उसकी कोई प्रतिक्रिया न हो, इसके लिए एक वातावरण बनायें और सरकार की तरफ से सदन को सूचना दें। इसमें हम सब लोग सहयोग करना चाहते हैं। हममें से कोई नहीं चाहता कि समाज का बंटवारा हो, देश में तनाव फैले।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक चीज के लिए बधाई देना चाहता हूं कि जब यह सवाल उठा कि वे लोग अस्थि कलश लेकर जायेंगे, तब गुजरात की सरकार के होम मिनिस्टर ने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए, उन्होंने कुछ ऐसी अपील की। मैं उसकी तारीफ करना चाहता हूं। हम कहना चाहते हैं कि यह मत सोचिये कि इसमें पोलिटिक्स है। अगर बार-बार विजय कुमार मल्होत्रा जी कहते हैं कि हमने गोधरा की घटना की निंदा नहीं की। किसने निंदा नहीं की। विजय कुमार मल्होत्रा जी के गुजरात जाने से पहले हम वहां पहुंचे थे। क्या हम वहां जाकर कहेंगे कि सब बरबाद कर दो। हमने आकर सदन में सरकार को सूचना दी कि स्थिति से कैसे निपटा जाए। हमारी लीडर ऑफ अपोजीशन श्रीमती सोनिया गांधी जी सबको लेकर गुजरात गईं। क्या गुजरात जाकर श्रीमती सोनिया गांधी जी श्री प्रमोद महाजन के सामने किसी को भड़कायेंगी। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं अभी भी कह रहा हूं कि श्री एहसान जाफरी जिन्हें जिन्दा जलाने के बाद उनकी बीवी का बयान आया। मैं उन्हें सलाम करता हूं। उनकी बीवी ने टी.वी. पर जो बयान दिया, देश के सेक्युलरिज्म के लिए इससे बड़ा बयान और कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मेरा जो गया वह गया, लेकिन हम एक साथ रहना चाहते हैं, एक साथ जीना चाहते हैं, सबको एक साथ लेकर रहना चाहते हैं। यह बयान श्री जाफरी जी की बीवी ने दिया। क्या हमने कोई भड़काने की बात की। बार-बार कहते हैं कि मैंने जिक्र किया कि गोधरा के म्युनिसिपल काउंसिलर कौन-कौन थे। गुजरात गवर्नमैन्ट के नोटिफिकेशन के हिसाब से किस पार्टी में कौन था, कौन सा निशान किसने चुना, उसके सारे दस्तावेज होम मिनिस्टर टेबल पर रख दें और उसे हम लोग देखें कि कौन राइट है और कौन रॉंग है। अगर आज आपके साथ कोई दोस्ती करता है तो उसे आप मानेंगे, अगर कल किसी को निकालते हैं तो उसे आप फंसा देंगे, ऐसी बात नहीं है। इसलिए मैं आग्रह करता हूं कि सरकार की तरफ से गुजरात में मौजूदा स्थिति के बारे में एक बयान हो और भाईचारा बनाये रखने के लिए समाज के ऊपर कोई चोट न पहुंचे। ये सब काम जो बाहर के लोग और संस्थाएं कर रही हैं, उनके ऊपर कड़ी से कड़ी निगरानी रखें और रोकथाम करने के लिए कदम उठायें। मेरा आपसे यही कहना है।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, गुजरात में गोधरा की घटना के बाद बराबर यह रट लगाना कि गोधरा की घटना की निंदा नहीं की गई। मैं समझता हूं यह ठीक नहीं है। हम लोगों ने उसी दिन उसकी निंदा की थी। आज चिंता कि विाय यह है कि गोधरा से जो हिंसा का दौर शुरू हुआ वह दौर गुजरात में थम नहीं रहा है। वहां साम्प्रदायिक हिंसा का तांडव जारी है और जैसा अभी देवेगौड़ा जी ने कहा कि आज ही विश्व हिन्दू परिद का बयान छपा है कि गोधरा के मृतकों के अस्थि कलश लेकर विश्व हिन्दू परिद पूरे देश में 750 स्थानों पर जायेंगे। यह देश में दंगा कराने की साजिश है। अभी श्री विजय कुमार मल्होत्रा जी ऐसी बात कह रहे थे, जैसे कि पूरी शांति का ठेका इन्हीं के पास है और पूरे हालात के लिए हम ही लोग जिम्मेदार हैं। अगर आप देखें तो व्यवस्थित तौर पर इस देश में साम्प्रदायिक तनाव पैद करने की साजिश हो रही है। अभी थोड़े दिनों पहले संघ का प्रस्ताव हुआ था, लेकिन वह संघ का प्रस्ताव नहीं था,

क्योंकि भाजपा के अध्यक्ष जन कृणमूर्ति उसमें शामिल थे आर.एस.एस. के सम्मेलन में। पूर्व अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे उसमें शामिल थे, प्यारे लाल खंडेलवाल शामिल थे, संजय जोशी उसमें शामिल थे। जो सहयोगी दल के मित्र हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि आप किस गलतफहमी के शिकार हैं, यहाँ तो आर.एस.एस. और बी.जे.पी. का एजेन्डा चल रहा है, आपको गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, यहां हमारे मित्र विनय कटियार बैठे हैं। ये बड़े लाजवाब आदमी हैं। इन्होंने तो एक बयान दे दिया कि हज़रत बल में रखा हुआ बाल पैगम्बर साहब का नहीं है। इससे जम्मू-कश्मीर में तनाव हुआ और आपका जो सहयोगी दल है नेशनल कॉनफ्रेन्स, उसके मुख्य मंत्री फारूख़ अब्दुल्ला ने स्वयं इनकी गिरफ्तारी की मांग की। दंगा एक बार हो सकता है लेकिन अगर सरकार की इच्छाशक्ति दृढ़ है तो फिर दंगे की पुनरावृत्ति नहीं

हो सकती। गुजरात में दंगा व्यवस्थित रूप से कराया गया है, अकलियत के लोगों में दहशत है, पूरे देश के मुसलमान डरे हुए हैं। हमारा आपसे विनम्र आग्रह है कि गृह मंत्री जी को तत्काल बुलाकर पूरे हालात पर वक्तव्य दिलाने का कट करें। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will call you later on.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: There are three names.

...(*Interruptions*)

श्री विनय कटियार (फैज़ाबाद) : उपाध्यक्ष जी, मेरा नाम लिया गया है, इसलिए मुझे स्पटीकरण देना ज़रूरी है। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपको बुलाऊँगा तब आप स्पटीकरण दीजिए।

श्री विनय कटियार : अगर आप स्पटीकरण के लिए अनुमति नहीं दे रहे हैं तो कोई बात नहीं, लेकिन इसके कारण देश में गलत मैसेज जा रहा है। मुझे स्पटीकरण का मौका दें।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने कहा मैं आपको स्पटीकरण के लिए मौका दूँगा।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vaiko, regarding Gujarat violence, three notices have been received, that is, one from Shri Ramji Lal Suman, the second one from Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

...(*Interruptions*)

SHRI VAIKO (SIVAKASI): Sir, he should be allowed to clarify his position. ...(*Interruptions*) It is a serious matter. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I would call him later on.

SHRI VAIKO : He wants a chance because his name has been quoted. He already wanted to clarify it. ...(*Interruptions*) I think, he is delaying his statement.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vaiko, I spoke in Hindi. Perhaps you could not follow it.

SHRI VAIKO : I did not follow it.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, गुजरात में जो दंगे हुए, प्रधान मंत्री जी ने कहा कि वह हिन्दुस्तान के माथे पर एक कलंक है और दुनिया में हिन्दुस्तान का माथा झुकेगा, लेकिन फिर भी जो इंडियन एक्सप्रेस हिन्दुस्तान का मशहूर अखबार है, उसमें छपा हैडिंग है -

> "POTO in Gujarat means Prevention of Terrorism for Ourselves, not Muslims"

इसका दूसरा पैरा है -

> "62 people, all Muslims, have been arrested by the Narendra Modi Government for the Godhra carnage in which 58 were killed. All 62 have been booked under the draconian POTO (Prevention of Terrorism Ordinance."
>
> Its third and fourth paragraphs are as follows:
>
> "Over 650, most of them Muslims, were killed in the violence that rocked the entire State. Out of the over 800 arrests, not one has been booked under POTO."
>
> "The violence included systematic targeting of Muslim families and lynching of entire neighbourhoods. For example, the Naroda Patia massacre, in which 91 were killed, or the Gulbarg Society massacre, in which 43, including former MP Ehsan Jafri, were killed. In fact, no one named in the FIR has even been arrested for these two killings."

मैं कहना चाहता हूँ कि जो दंगाई लोग हैं, जिन्होंने हत्याएं कीं, आगज़नी की और अभी भी गृह मंत्री की कांस्टीट्यूएंसी गांधीनगर में एक गिरफ्तारी नहीं हुई और न किसी का नाम एफ.आई.आर. में गया, वहां सैकड़ों दुकानें जलाई गईं, 42 आदमियों को गोली से मारा गया, पुलिस की गोली से नहीं, दंगाइयों की गोली से और एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई या एफ.आई.आर. नहीं हुई। जब तक दंगाइयों पर कार्रवाई नहीं होगी, आगे दंगा कैसे रुकेगा? इस पर रिलीफ और रीहैबिलिटेशन की बात तो दूर, वहां दंगाई लोग कह रहे हैं कि हम अब जुलूस करेंगे। â€¦ (व्यवधान) गांधी की धरती गुजरात को, गांधी के हत्यारों ने जलाने का काम किया है।

गांधी के हत्यारे, जिन्होंने गांधी की हत्या की, अभी भी गांधी की धरती पर नंगा नाच कर रहे हैं। दंगा करा रहे हैं। हजारों करोड़ रुपए की सम्पत्ति नट हुई है और ग वर्नमेंट की ओर से, पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं हो रही है। जब तक गवर्नमेंट की ओर से विश्वास का बिल्डिंग मैजर अख्तियार नहीं किया जाएगा, तब तक लोगों में विश्वास कहां से और कैसे पैदा होगा। जब तक गवर्नमेंट की ओर से रिलीफ और रीहैबिलिटेशन का काम नहीं होगा, तब तक लोगों को कैसे सहायता मिलेगी। केन्द्र सरकार के गृह मंत्री और प्रदे श सरकार के मुख्य मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोगों को उकसाने में लगे हुए हैं। होम मिनिस्टर की कांस्टीट्यूएंसी है। वहां इनके लोग दंगा करा रहे हैं। इससे कैसे देश बचेगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से अपील करता हूं कि होम मिनिस्टर को और श्री नरेन्द्र मोदी को बर्खास्त किया जाए, नहीं तो देश नहीं बचेगा। â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारा बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : तीन-चार माननीय सदस्यों ने नोटिस दिए हैं, वे नाम मेरे पास हैं। मैं पहले उन्हें बोलने के लिए फ्लोर दे रहा हूं।

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : उपाध्यक्ष महोदय, नोटिस देने के बाद ही तो वातावरण बिगाड़ दिया गया है। क्या हम सदन में चुपचाप बैठने के लिए आए हैं, क्या हम यहां आंख मूंद कर बैठे रहेंगे।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री झा, आप कृपया बैठिए। जब आप मेरी कोई बात सुनेंगे तभी तो मैं कह सकूंगा। सुनिए, जीरो आवर में डिबेट नहीं होती है। यदि किसी मैटर को कोई उठाए, तो उस पर सभी लोग डिसकस करें, ऐसा नहीं है। यदि हमें एक आदमी ने नोटिस दिया है, तो हम फ्लोर उसे देंगे। जिस तरह से अपर हाउस में स्पेशल मेंशन होता है उस तरह से यहां नहीं होता है। जिन-जिन का नोटिस आया है उन-उन के लिए फ्लोर दिया है। उनमें से मैंने एक डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा को दिया था।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, आपका आदेश सर्वमान्य है। मेरा लोक सभा सदस्य के रूप में यह चौथा टर्म है। जब किसी अहम मुद्दे पर आप किसी को बोलने के लिए बुलाते हैं और जब देश में असामान्य परिस्थितियां हों और आग लगी हुई हो, ऐसी स्थिति में जब इस पर यदि किसी पार्टी का कोई नेता बोलना चाहे, तो क्या आप आदेश नहीं देंगे ? महोदय, यह परम्परा है कि किसी महत्वपूर्ण विाय पर चेयर यदि चाहे तो, जो बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने की अनुमति दे सकती है।

उपाध्यक्ष महोदय : जैसा श्री झा ने कहा, आपने कहा, एक दम रिस्ट्रेन कर के इस मुद्दे पर पाइंट आउट करेंगे, तो शांति बरकरार रहेगी। क्या होना है क्या नहीं, इस तरह से कहेंगे, तो मैं आपको समय दे दूंगा, लेकिन एकदम बिगड़ने की नौबत नहीं आनी चाहिए।

श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) : उपाध्यक्ष महोदय, â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जाधव जी, जो अभी मैंने कहा है, वह हिन्दी में ही कहा है, अंग्रेजी में नहीं। कृपया आप बैठिए।

श्री विनय कटियार : उपाध्यक्ष महोदय, आज जो देश की स्थिति है उससे हम सब लोग चिन्तित हैं, सदन भी चिन्तित है, लेकिन सदन की भी जिम्मेदारी है कि इस प्रकार के बयान नहीं होने चाहिए और यहां पर भी इस प्रकार की भााा का उपयोग नहीं होना चाहिए। देश को चलाने में जो भााा सहायक हो, हमें उसका प्रयोग और व्यवहार करना चाहिए। अभी माननीय सदस्य ने मेरे नाम को कोट किया। परम्परा के अनुसार अगर वे मेरे नाम का सदन में उल्लेख करना चाहते थे, तो उन्हें मुझ से बात करनी चाहिए थी, पूछना चाहिए था। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैंने इस प्रकार का कोई बयान नहीं दिया जिसकी उन्होंने चर्चा की। मैंने तो केवल इतना ही कहा कि एक दूसरे के धर्मों का सम्मान होना चाहिए। कोई यदि किसी के धर्म के बारे में चर्चा करता है, तो उससे तनाव पैदा होता है। इस समय चर्चा चल रही थी राम जन्मभूमि की और उसमें मैंने केवल इतनी बात कही थी कि राम जन्मभूमि उसी तरह हिन्दुओं की श्रद्धा का स्थान है,

जैसे अन्य धर्मों के लिए उनकी श्रद्धा के स्थान हैं। यह विश्वास का सवाल है। इसलिए हम एक दूसरे के धर्मों के संबंध में जब कोई उल्लेख करते हैं तो हमें यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि उससे हरेक की भावना को चोट पहुंचती है। इसलिए देश के अंदर पूरी तरह से सद्भावना तभी स्थापित हो सकती है जब हम एक दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखें। मैंने इस संदर्भ में वह बात कही लेकिन मुझे बड़ा दुख हो रहा है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने विधान सभा में मेरे खिलाफ बयान दे डाला। वे मुख्य मंत्री हैं और बड़े पुराने नेता हैं। उनको एक बार मुझसे इस संबंध में चर्चा करनी चाहिए थी। मै इस हाउस में कह रहा हूं कि मैंने उनको पांच बार टेलीफोन किया। यहां के जो मिनिस्टर हैं, इस सरकार में सम्मिलित हैं, उन्हें मैंने दूसरे दिन ही फोन किया। लेकन जब वे अदालत में चले जायेंगे तो फिर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। अदालत जो पूछेगी, उस प्रकार का हम बयान देंगे क्योंकि जब आप अदालत में चले गये लेकिन मेरा कहना है कि इससे देश में तनाव घटेगा नहीं बल्कि तनाव बढ़ेगा क्योंकि जब गलत ढंग से रिपोर्टिंग होगी। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let him complete.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let him say, whatever he wants to say.

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : अभी सुमन जी ने इनका नाम लेकर कहा कि इन्होंने हजरत बल के बारे में वहां कुछ बयान दिया है। उसी बात का यह खुलासा कर रहे हैं। पहले आप उनकी बात सुनिये।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is too much.

...(*Interruptions*)

SHRI VAIKO : Sir, it is very much wrong on their part. He is giving a clarification and he is not being allowed to speak...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : यह बहुत सीरियस मैटर है।

...(व्यवधान)

श्री विनय कटियार : क्या आप हमको भााण देने से रोक सकते हैं ? â€¦ (व्यवधान) आप रोज यहां हल्ला मचाते हैं। â€¦ (व्यवधान) आपका व्यवहार क्या है, उनको मालूम है। â€¦ (व्यवधान) क्या आप ही चुनकर आये हैं, हम चुनकर नहीं आये हैं। â€¦ (व्यवधान) आपको क्या अधिकार है हमको इस तरह टोकने का ? â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं ?

...(व्यवधान)

श्री विनय कटियार : आप ज्यादा योग्य बन रहे हैं। â€¦ (व्यवधान) क्या मैं आपकी तरह चुनकर नहीं आया हूं? â€¦ (व्यवधान) आप तो अभी चुनकर आये हैं लेकिन मैंने आपसे ज्यादा राजनीतिक जीवन जिया है। â€¦ (व्यवधान) आप क्यों बात कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : आप आंखें दिखाकर क्या बातें कर रहे हैं ? â€¦ (व्यवधान) आप ये आंखें किसी दूसरे को दिखाइये। â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : क्या आप किसी डाक्टर को बुलाकर हमारी आंखें निकाल लेंगे। â€¦ (व्यवधान)

श्री कांतिलाल भूरिया : हम भी चुनकर आये हैं।â€¦ (व्यवधान) क्या आप ऐसी बातें करेंगे ? â€¦ (व्यवधान) आप यह आंखें किसी और को दिखाइयेगा। â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : आप क्यों इस तरह से परेशान हो रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

आपके इस तरह बोलने से हम डरने वाले नहीं हैं। â€¦ (व्यवधान) यह देश भी जानता है और आप भी जानते हैं। आप हमको क्यों जोर से हड़का रहे हैं। इससे हम हड़कने वाले नहीं हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : विनय कटियार जी, आप इस तरफ देखकर बोलिये। जब मैं उनको संभालता हूं तो आप यहां से फिर बोलने लगते हैं।

...(व्यवधान)

श्री विनय कटियार : उपाध्यक्ष महोदय, यह सब हमें मिलकर हड़का रहे हैं। क्या हम हड़क जायेंगे ? आप ऐसी बात मत बोलिये।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the difference between the two is that one is *Ram Bhakt* and another is *Bhim Bhakt*.

श्री विनय कटियार : अगर मैंने कुछ गलत बोला है तो मैं अपनी बात वापिस लेता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : आप अपनी बात कहकर कन्कलूड कीजिए।

...(व्यवधान)

श्री विनय कटियार : उपाध्यक्ष जी, मेरा नाम आया था, इसलिए मैं बोल रहा हूं। â€¦ (व्यवधान) नहीं तो मुझे कुछ कहने की कोई जरूरत नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मुझे भी आपको खड़ा करने की कोई जरूरत नहीं है।

...(व्यवधान)

श्री विनय कटियार : इसलिए मैं चाहूंगा कि ऐसे शब्दों का उपयोग हाउस के अंदर नहीं होना चाहिए। कम से कम एक सदस्य यहां है और दूसरा सदस्य किसी विष ाय में कोई बात उठाता है तो उससे एक बार जरूर चर्चा कर लेनी चाहिए कि आपने इस प्रकार से कहा या नहीं। मैं फिर कहना चाहता हूं कि हमने इस प्रकार की कोई बात नहीं कही। मैं चाहता हूं कि सबका सम्मान रहे और सब लोग दूसरे धर्मों के प्रति सम्मान करे, यह संकल्प करें लेकिन एक हाथ से ताली नहीं बजती इसलिए दोनों हाथों से ताली बजे, आप जरा उनको भी यह समझा दीजिए। नहीं तो इसके बिना काम नहीं चलेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

संसदीय कार्य मंत्री, तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अब आप दूसरा विाय ले लीजिए। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : दूसरा विाय अभी नहीं होगा। अभी यही विाय चलेगा, नहीं तो एडजर्न करना पड़ेगा।

...(व्यवधान)

श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ) : उपाध्यक्ष महोदय, वे धरने पर बैठे हैं। â€¦ (व्यवधान) आप मुझे दो मिनट बोलने का मौका दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मिस्टर अखिलेश, आप अभी-अभी आये हैं और आते ही आपने बोलना शुरू कर दिया है।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have called Shri Suresh Kurup.

...(*Interruptions*)

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, it is quite evident that VHP is bent upon communalising the whole country. In spite of repeated assurances from the Government side, systematic attacks against the minorities are going on all over Gujarat.

Sir, if this *Asthi Yatra* is taken out, it will result in Gujarat-like situation all over the country. I think, our former Prime Minister, Shri Deve Gowda selected his words very carefully. He did not attack anybody. He only appealed to the Prime Minister and to the Home Minister to prevent them from taking out this *Asthi Yatra*. I thought that the BJP spokesman, Prof. Malhotra would have responded positively to his appeal. Instead he started attacking the Opposition. He is justifying the VHP. At any cost, this *Asthi Yatra* should be prevented. Sir, this should be seen in connection with the Resolution passed by the RSS in Bangalore. They are saying that the Muslims are at the mercy

of the Hindus in this country. They are doing all these with the connivance of the Government.

Sir, my appeal is that this *Asthi Yatra* should be prohibited at any cost.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, जिस विाय पर शून्यकाल में चर्चा हो रही है, यह बहुत ही संवेदनशील विाय है। मैं सिर्फ इतना निवेदन कर रहा था कि साम्प्रदायिक सौहार्द का निर्माण तभी हो सकता है जब सदन व्यवस्थित हो। जब सदन में ही व्यवस्था भंग हो जाती है, चाहे यह पक्ष हो चाहे वह पक्ष हो, मैं किसी की तरफ से नहीं कहना चाहता, सदन के माहौल का असर सदन के बाहर पड़ेगा। इसलिए सदन में बहस का जो असर हो रहा है, यह बहुत ही खतरनाक प्रयास हो रहा है। यह किसी की जज्बात और भावना का सवाल नहीं है। सदन में माननीय सदस्य दस-दस लाख लोगों द्वारा चुन कर आते हैं। यह सम्पूर्ण देश की सबसे बड़ी राट्रीय पंचायत है। इसमें बहस से जो तनाव, उद्वेग का वातावरण बनता है, क्या उसका असर सदन के बाहर नहीं जाएगा? मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि इसका असर करोड़ों लोगों पर पड़ेगा, चाहे वह हिन्दू हो चाहे मुसलमान हो। इसलिए इस विाय पर माननीय सदस्यों को बहुत ही सावधानीपूर्वक अपनी बात करनी होगी। मैं उदाहरण के तौर पर कहना चाहता हूं, ठीक है, गोधरा में जांच समिति बैठी हुई है, गुजरात सरकार ने जांच समिति बिठाई है, यह भी होना चाहिए कि सिटिंग जज से जांच हो, लेकिन यात्रा निकालने का जो वातावरण है, कौन लोग हैं, कौन सा संगठन है, संविधान की मूल स्पिरिट, संविधान या देश की भावना है, हम न्यायालय के मानने पर उतारू नहीं होते। प्रधान मंत्री जी बार-बार भाईचारा स्थापित करने की अपील कर रहे हैं। इस तरह का वातावरण देश के लिए कलंक है क्योंकि हिन्दू-मुस्लिम एकता या साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए प्रधान मंत्री, जो कान्सटीट्यूशनल हैड की हैसियत से अपील कर रहे हैं, उसे कौन ठुकरा रहा है, किसके मन में गुस्सा आ गया, किसकी इतनी ताकत है? क्या हम हिन्दू नहीं हैं? हम कहना चाहते हैं कि विश्व हिन्दू परिाद हमारा रिप्रैजैंटेटिव नहीं है। दो प्रतिशत लोग क्या पंचायत के सबसे बड़े ठेकेदार हैं? हम भी हिन्दू हैं, हम विश्व हिन्दू परिाद की बात नहीं मानते।â€¦ (व्यवधान) हिन्दुस्तान के दो प्रतिशत अधकचरे हिन्दुओं को कोई रिप्रैजैंट करेगा? हम सैकुलर लोग हैं, हम एन.डी.ए. के साथ हैं, एन.डी.ए. में सैकुलरिज़्म को कहीं कोई आघात नहीं हो रहा है। लेकिन ये लोग बराबर इस तरह के वातावरण का निर्माण करते हैं जिससे एन.डी.ए. के एजैंडे पर आघात किया जाता है। यह बात ये पहले कर लेते तो हम इसमें नहीं आते।â€¦ (व्यवधान) **हम आज भी कहना चाहते हैं कि एलायंस होने से पहले इस पर विचार हो जाना चाहिए था। जब हम लोग एलायंस में आ गए, ऐग्रिड एजैंडा है, कॉमन मिनिमम प्रोग्राम है, एन.डी.ए. का एक नेशनल एजैंडा है, प्रधान मंत्री जी उसके साथ बोलते हैं, उनके भी बयान देते हैं, उनको हट जाना चाहिए। आज जब मैंने अखबार में पढ़ा तो मुझे बहुत दुख हुआ। प्रधान मंत्री केवल एन.डी.ए. और बी.जे.पी. के नहीं हैं, इस देश के प्रधान मंत्री हैं। सम्पूर्ण देश की एक अरब से ऊपर की आबादी के प्रधान मंत्री हैं।**

इसलिए उसे भी नहीं मानेंगे - ये न्यायालय को चेलेंज कर रहे हैं। यह देश में क्या हो रहा है? मुझे बहुत तकलीफ है, मेरे दोस्त आज दुखी हैं, रो रहे हैं। क्या ये एन.डी.ए. के सदस्य नहीं हैं? श्री सुशील कुमार इन्दौरा, इनसे जरा पूछा जाये कि भगवा वाले इनके घर क्या उपद्रव कर रहे हैं? मैं उदाहरण सब के सामने सबूत के साथ, प्रमाण के साथ उपस्थित करता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि श्री सुशील कुमार इन्दौरा, इण्डियन नेशनल लोकदल के इस सदन में, लोक सभा में नेता हैं, हमारे एलाइज हैं, घटक दल हैं, उन पर क्या बीत रही है, उनसे भी जरा सुन लिया जाये। भगवा वाले कहते हैं, कोई सरस्वती आनन्द हैं, वे उनके घर के सामने टैण्ट लग वाकर कब्जा कर रहे हैं, कह रहे हैं कि सब लोग भागो। इनको कहा हैâ€¦ (व्यवधान) ये दंगा एक तरफ से नहीं हो रहा है। दंगा केवल मुसलमानों पर नहीं हो रहा है, हिन्दुस्तान में जो सैकुलर हिन्दू हैं, उन पर भी ये लोग अटैक कर रहे हैं, उनको भी आतंकित कर रहे हैं, तनाव फैला रहे हैं, इसका कोई मतलब है? इसीलिए मैं उदाहरण दे रहा हूं, मैं तो प्रमाण के साथ कह रहा हूं, कोई बात मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं। सुशील कुमार इन्दौरा जी मौजूद हैं, उनसे ही जरा पूछ लिया जाये, उनको पूरा आतंकित किया है। किस तरह सेâ€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। अगर ये भगवा शब्द का इस तरह से अपमान करेंगे, कोई व्यक्ति विशे की घटना हो सकती है, आप उसका उल्लेख करें, मुझे उसके कहने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसका अपमान हम बर्दाश्त नहीं कर सकते।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vinay Katiyar, let him speak. What is this?

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ऐसे शब्द मैं कार्यवाही में जाने नहीं दूंगा।

श्री विनय कटियार : इनको भी यह बात समझ लेनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने आपको फ्लोर दिया, उसी तरह इनको दिया, यह क्या तरीका है? You do not allow others also to speak.

श्री विनय कटियार : लेकिन आप भगवा शब्द को अपमानित करेंगे तो कैसे चलेगा। इस पर हमें आपत्ति है। भगवा लोगों के बारे में आप क्या जानते हैं, क्या पहचानते हैं, उनके सामने भगवान की तरह सब लोग नतमस्तक होते हैं। उस पर हमें कोई आपत्ति नहीं है, आप किसी व्यक्ति को कह सकते हैं, आप किसी साधू को कह सकते हैं, लेकिन आप पूरे भगवा समाज को अपमानित करेंगे तो यह कैसे चल सकता है। यह नहीं हो सकता।â€¦ (व्यवधान) आप अगर एन.डी.ए. की बात करते हैं तो हमने एन.डी.ए. में आने के लिए आमंत्रित नहीं किया था।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ऐसे शब्द, जो ऑब्जैक्शनेबल हैं, मैं एक्सपंज करूंगा। आप बैठिये।

श्री विनय कटियार : उपाध्यक्ष महोदय, हमने एन.डी.ए. में इनको भी आमंत्रित नहीं किया था कि आप एन.डी.ए. में हमारा साथ दें। आपकी भी इसमें उतनी ही

जिम्मेदारी थी, जितनी हमारी जिम्मेदारी थी।â€¦ (व्यवधान) लेकिन एन.डी.ए. की सरकार अगर चल रही है तो केवल आपके कारण ही नहीं चल रही है, मेरे कारण भी एन.डी.ए. की सरकार चल रही है। सरकार का फैसला करना तभी होता है, मुझे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन सरकार में रहकर भगवा को अपमानित करें, सन्तों को अपमानित करें, मैं ऐसे एन.डी.ए. में नहीं रह सकता। ऐसे लोगों की एन.डी.ए. को जरूरत नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ऐसे शब्द अगर रिकार्ड पर हैं, जो ऑब्जैक्शनेबल हैं तो मैं एक्सपंज करूंगा। आप शान्ति से बैठिये।

श्री विनय कटियार : आप वे शब्द निकलवा दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इन्दौरा जी, मैंने उनको फ्लोर दिया है। मैं आपको मौका दे दूंगा।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मि. वर्मा, आपको कुछ नहीं कहना है तो मैं फ्लोर उनको दे दूंगा।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ratilal Varma, what is this?

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : उपाध्यक्ष महोदय, आज की चर्चा में गुजरात में और देश में शान्ति स्थापित रहे, इसके लिए मुद्दा उठा है। मैं सदन के सदस्यों से दो हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहा हूं कि मेरे वक्तव्य में मुझे डिस्टर्ब न करें, अगर मेरी कोई बात गलत है तो बाद में आप खुलासा कर सकते हैं।

गुजरात के अन्दर 1992 से शान्ति स्थापित थी।

हिन्दू और मुसलमान, हम सब लोग प्रेम से जीते थे। मोहर्रम हो या रथ यात्रा हो, दोनों समुदाय के लोग दोनों का सम्मान करते थे। दोनों साथ मिलकर एक-दूसरे के त्यौहार मनाते थे। अगर मीठी ईद हो, तो हिन्दू परिवार खीर खाने के लिए मुस्लिम भाइयों के यहां जाते थे। इसी तरह से दीपावली के दिन वे लोग हम लोगों के गले मिलते थे। इतना सुंदर वातावरण था कि गुजरात और अहमदाबाद में हिन्दू-मुसलमान का भेद मिट गया था। लेकिन गोधरा में एक दुखद घटना घटी। वहां के कांग्रेस के कांउसलर को और एक बिलाल, जो अभी पकड़े गए हैं, ये अगर ऐसा काम न करते तो यह घटना नहीं घटती और वहां शांति का माहौल रहता। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि जो हुआ वह गलत हुआ और गोधरा के बाद जो उसकी प्रतिक्रिया राज्य में हुई, वह भी गलत हुई। किसी भी समुदाय के लोग जब तक गुनाहगारों को पुलिस के हवाले करने के लिए आगे नहीं आएंगे, तब निर्दो लोगों की हत्या होती रहेगी। कोई भी समुदाय हो, हिन्दू हो या मुसलमान हो, जो गुनाहगार हैं, उनको बाहर लाकर कहना पड़ेगा कि इनको हम आपके हवाले करते हैं। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। परिणामस्वरूप लोग उत्तेजित हो जाते हैं और निर्दो लोगों की मौत होती है। हिन्दू और मुसलमान, इनमें भी जो गरीब लोग हैं, इसका शिकार बनते हैं।

श्री रामजी लाल सुमन : आप बताएं कि सरकार का क्या रोल है और गुजरात की सरकार क्या कर रही हैâ€¦ (व्यवधान)

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : मैंने पहले ही हाथ जोड़ दिए थे। मैंने कोई गलत बात नहीं बोली है, फिर क्यों ये खड़े हो गए हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramjilal Suman, please take your seat.

...(*Interruptions*)

श्री रामजी लाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Suman, if there is anything objectionable, I will expunge it. Why do you stand up and interrupt him?

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : अगर कोई आब्जेक्शनेबल होगा, तो मैं एक्सपंज करूंगा, आप क्यों खड़े होते हैं।

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, गुजरात के अंदर सुरक्षा समिति आई, उसके बाद वहां शांति स्थापित हो गई है। हायर सेकंड्री और सीनियर सेकंड्री की परीक्षाएं हो रही हैंâ€¦ (व्यवधान) तीन लाख विद्यार्थी पूरे गुजरात के अंदर परीक्षाएं दे रहे हैं। केवल अहमदाबाद और वड़ोदरा में बाद में ये परीक्षाएं होंगी। ि वद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं, छोटे-मोटे क्षेत्र में फिर स्टेबिंग शुरू हो गई है। यह कौन कर रहा है, किसकी हत्याएं हो रही हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। अगर यह स्टेबिंग बंद हो जाए तो गुजरात में शांति है। मेरे क्षेत्र धोलका में 50 प्रतिशत आबादी मुसलमानों की और 50 प्रतिशत आबादी हिन्दुओं की है। हमने वहां सद्भावना रैली निकाली। उसमें साधु, संत, जैन महाराज स्वामी नारायण के महन्त, पूर्व मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह चूडासमा, मुस्लिम श्री फैज मियां जैन समप्रदाय के अग्रणीय श्री कुमार पाल शाहे, ि वधायक श्री कांतिभाई तलपदा, व्यापारीगण एवं धोलका नगर पार्षद इत्यादि सभी शामिल हुए। वह सद्भावना रैली मंदिर से निकाली गई और मस्जिद में जाकर पूरी हुई। हम लोग वहां आधा घंटा रहे। पहले हमारे क्षेत्र में ऐसी घटनाएं होती रहती थीं, लेकिन इस बार एक भी नहीं हुई। इन लोगों ने कभी ऐसी रैली नहीं निकाली। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि मेरे साथ ही के क्षेत्र से प्रवीण राट्रपाल जी भी सांसद हैं। वे हमारे साथी हैं।â€¦ (व्यवधान) हमारे यहां के लोग परेशान हैं।

13.00 hrs.

उनके निजी संबंधी की हत्या हुई।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ratilal Varma, please conclude now.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is this? You are not allowing anybody.

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : एक मिनट में समाप्त करिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि आज गुजरात, अहमदाबाद के अंदर बहरामपुरा, दानीलीमठा, जमालपुर, शाएपुर के हमारे सम्प्रदाय के लोग दुखी हैं।â€¦ (व्यवधान) वे चाहते हैं कि वहां सद्भावना स्थापित हो और संरक्षण मिले।â€¦ (व्यवधान) मेरी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि â€¦ (व्यवधान) कोई राजनीति न खेले।â€¦ (व्यवधान) हमें शांति चाहिए और हम शांति की स्थापना करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा) : जिस संदर्भ में मेरा नाम आया है, श्री यादव जी ने जिक्र किया, इसके बारे में मैं एक्सप्लेनेशन देना चाहूंगा कि मेरा घर, जहां मैं रहता हूं, फतेहाबाद, लाजपतनगर में मेरे घर के पड़ौस में एक मंदिर है। मंदिर के आगे, पीछे, दायें और बायें जगह खाली है। इसके मालिक कौन हैं, यह मैं नहीं जानता हूं। लेकिन इसका पता करवाया जाये। पिछले 20-25 दिन से हमारे साधु-समाज के लोग, संत महात्माओं ने वहां उस जमीन पर टैंट लगाकर कीर्तन शुरू किया है। ...(व्यवधान)

श्री विनय कटियार : क्या अब कीर्तन भी नहीं कर सकते? â€¦ (व्यवधान) आपको एनडीए नहीं चलाना है तो न चलाओ।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : विनय जी, उस पर आपको क्या आपत्ति है? आपत्ति की बात होगी तो मैं इधर कंट्रोल करने के लिए हूं।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : जमीन के मालिक ने यह कहा कि दो-चार दिन जब तक आप चाहें, कीर्तन कर सकते हैं लेकिन इधर बच्चों की पढ़ाई के दिन हैं, इम्तिहान के दिन हैं। लोग मेरे पास आये क्योंकि मैं लोकल प्रतिनिधि हूं। मोहल्ले के लोग मेरे पास आये तो मैंने कहा कि अगर आपको गलत लगता है तो आप प्रशासन के पास जाइए। प्रशासन को कहें कि वे नाजायज कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : क्या आप मस्जिद के माइक बंद कराएंगे?â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : एक मिनट चुप रहिए आप।â€¦ (व्यवधान) हम आपके बीच में नहीं बोलते हैं। आप क्यों मंदिर और मस्जिद का मामला उठा रहे हैं? â€¦ (व्यवधान) क्या यह आपकी इंसानियत है? â€¦ (व्यवधान) मैं जब बोल रहा हूं तो आपसे क्या मतलब है? आप क्यों मंदिर और मस्जिद का मामला उठा रहे हैं?â€¦ (व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : केवल हिन्दू समाज के लिए क्यों होता है?â€¦ (व्यवधान) यह साजिश क्यों होती है? â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : जब मेरा नाम आया है तो मैं क्यों न इस बात को कहूं? â€¦ (व्यवधान) क्या इन्होंने हिन्दुओं का ठेका उठा रखा है? ये अपने आप को हिन्दू कहते हैं। क्या हम लोग हिन्दू नहीं हैं?â€¦ (व्यवधान) क्या इस देश का गरीब आदमी हिन्दू नहीं है?â€¦ (व्यवधान)

DR. S. VENUGOPAL (ADILABAD): This is unfair, Sir. He should be permitted first....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vinay Katiyar, what is this? He should be allowed to speak.

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : क्या आप ही हाउस को कंट्रोल करेंगे?

â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : हमें बोलने क्यों नहीं दिया जा रहा है?â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : क्या आप हिन्दुओं के ठेकेदार हैं? â€¦ (व्यवधान) क्या हम हिन्दू नहीं हैं?â€¦ (व्यवधान) क्या हम उस समाज के नहीं हैं? यह आप बताएं।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह आप क्या कर रहे हैं?

â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at two o'clock.

13.04 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.03 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at three minutes

Past Fourteen of the Clock

(Dr. Raghuvansh Prasad Singh in the Chair)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी (रायगंज) : सभापति महोदय, सदन की कार्यवाही शुरु करने से पहले मेरा आग्रह है कि सदन उठने से पहले माननीय गृह मंत्री जी गुजरात की स्थिति के बारे में सदन को सूचित करें। यह मेरा दोबारा आग्रह है, मैं पहले भी आग्रह कर चुका हूं ।